3, 71, 438
प्रसारण संख्या का विश्व कीर्तिमान रचने वाली
भारत की एकमात्र बाल पत्रिका

सर्वाधिक प्रसारित हिन्दी बाल मासिक
देवपुत्र

बाल साहित्य के नींव के पत्थर

रघुवीर सहाय

प्यारे भैया बहनो!

आपके लिए केवल बाल साहित्य रचने वाले साहित्यकारों ने ही साहित्य नहीं रचा बल्कि बड़ों के लिए लिखने वाले सजग रचनाकारों ने भी बेहतरीन बाल कविताएं रच ऐसे कवियों में एक उल्लेखनीय कवि हैं 'रघुवीर सहाय'। इनका जन्म ९ दिसंबर १९२१ को लखनऊ (उ.प्र.) में हुआ। आपने अंग्रेजी साहित्य से एम.ए. किया। पत्रकारिता के क्षेत्र में आकाशवाणी, नवभारत टाइम्स, और दिनमान के प्रधान संपादक रहे। १९८२ से १९९० तक स्वतंत्र लेखन करते हुए ३० नवंबर, १९९० को आपका दिल्ली में निधन हुआ। रघुवीर सहाय की बाल कविताएं प्रस्तुत हैं इन्हें पढ़िए और अपने संपादक जी को लिखिए कि ये आपको कैसी लगी?

● कृष्ण शलभ, सहारनपुर

गुड्डन जाएगी ससुराल